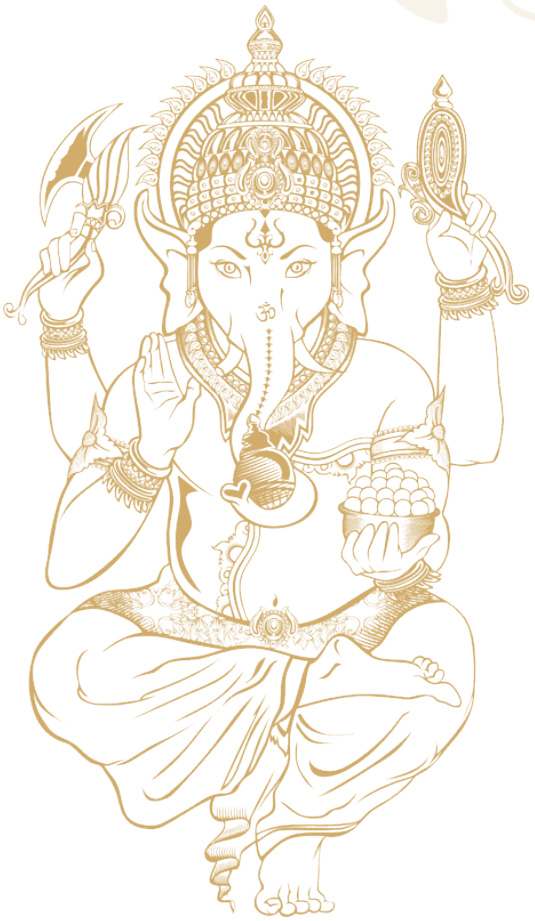

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119348008

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/08/2000	जन्म तिथि	07/07/2001
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:28:00	जन्म समय	16:34:00 घंटे
घटी 33:56:01	जन्म समय(घटी)	27:41:42 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:35	सूर्योदय	05:29:19
18:54:17	सूर्यास्त	19:22:30
23:51:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:25

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 5मा 7दि		17:37:27	कुंभ	लग्न	वृश्चि	14:04:45	चन्द्र 8वर्ष 7मा 5दि	
चन्द्र		04:56:25	सिंह	सूर्य	मिथु	21:31:18	राहु	
28/01/2017		19:42:33	मेष	चंद्र	मक	11:52:11	10/02/2017	
28/01/2027		19:20:49	कर्क	मंगल व	वृश्चि	22:19:09	11/02/2035	
चन्द्र	28/11/2017	04:27:51	सिंह	बुध	मिथु	00:50:24	राहु	24/10/2019
मंगल	29/06/2018	14:58:35	वृष	गुरु	मिथु	04:53:13	गुरु	19/03/2022
राहु	29/12/2019	24:23:23	सिंह	शुक्र	वृष	08:02:38	शनि	23/01/2025
गुरु	29/04/2021	06:41:20	वृष	शनि	वृष	15:49:14	बुध	12/08/2027
शनि	28/11/2022	00:11:58	कर्क व	राहु व	मिथु	12:29:59	केतु	30/08/2028
बुध	29/04/2024	00:11:58	मक व	केतु व	धनु	12:29:59	शुक्र	31/08/2031
केतु	28/11/2024	24:34:27	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:23:22	सूर्य	24/07/2032
शुक्र	30/07/2026	10:40:22	मक व	नेप व	मक	14:06:44	चन्द्र	23/01/2034
सूर्य	28/01/2027	16:17:25	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:13:08	मंगल	11/02/2035

लग्न-चलित

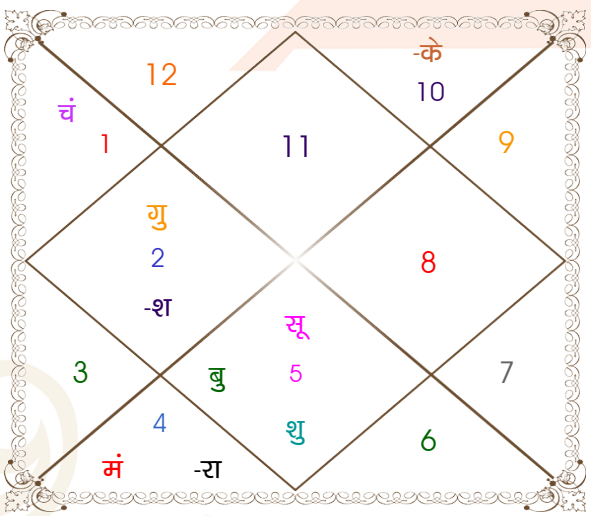

लग्न-चलित

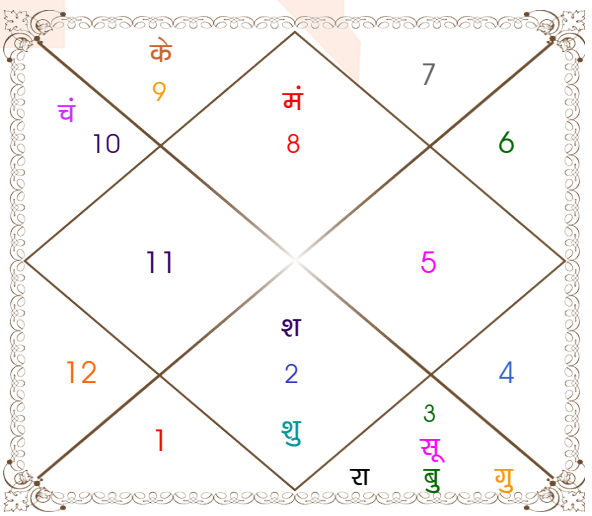

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।